

卷之四

भर्तृहृदयना. राजावसेन्यगुणा.

विष्णुस्तोत्रम् ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

१२५॥ हिंदूकसहि विजुमान् कनहु

१ वानाहीमहिव्यादूरा मकांगी धावुवैकि का। मीना कुविन्दुमुडाध्व ०० न्या ०० वनम सुते ॥  
२ वैष्णवीना उमातूराडु त्रिगा मी रुनि नवा मसी। गदाळ विन्दुमुडाध्व वैष्णवी  
वनम सुते ॥ २ ०० न्या ०० गउमातूराहिसा मी ००

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार H-49



[illegible]

नागयज्ञधवागवान् चतुर्मासश्चतुर्विंशतिराशितरुग्भुवगु  
 णुकपातुर्मासश्चतुर्विंशतिराशितरुग्भुवगु  
 तत्रयमादवीज्यदीक्यथा कृत्वा नवमीपर्वेन गाजां सोऽह

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥  
श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः । श्रीकृष्णाय नमः ।

[illegible][illegible]











३

नीलनिशा कथावे नीललाहिता ४५ दिवा कवी कसीमाश्रयातालतलवासिन ४॥ नृदे कथा निवता ४॥ कं कवे लुमसदा ॥ अथ वर्या गवायकु सतत वा  
 गवाय ४॥ मृ ग्यामा क्वा ग्यामनिशा कथावे ग्याम लाहिता ४॥ दिवा कवी कसीमाश्रयातालतलवासिन ४॥ यरम गवायनरता ४ कवे वास  
 ग्यामरुम ॥ वा यवाकु गवायवे सतत वर्या गवाय ४॥ सयीगा कयीगनिशा कथावे गवायलाहिता ४॥ दिवा कवी कसीमाश्रयातालतलवासिन ४  
 ४॥ निवतकामरुमान ४ कवे क्ममगानिक ॥ उरु वर्या गवायकु सतत निगियाग ४॥ सयीगा कयीगनिशा कथावे गवायलाहिता ४॥ दिवा कवी क  
 ओमाश्रयातालतलवासिन ४॥ निवतकियरासध कर्म कवे क्ममसदा ॥ उरु गवायलाहिता ४॥ यरम गवाय ४॥ सयीगा कयीगनिशा कथावे गवायलाहि

नीलनिशा कथावे नीललाहिता ४५ दिवा कवी कसीमाश्रयातालतलवासिन ४॥ गवायकु सतत वा गवाय ४॥ कं कवे लुमसदा ॥ अथ वर्या गवायकु सतत वा  
 गवाय ४॥ मृ ग्यामा क्वा ग्यामनिशा कथावे ग्याम लाहिता ४॥ दिवा कवी कसीमाश्रया गवायकु सतत वा गवाय ४॥ यरम गवायनरता ४ कवे वास  
 ग्यामरुम ॥ वा यवाकु गवायवे सतत वर्या गवाय ४॥ सयीगा कयीगनिशा कथावे गवायलाहिता ४॥ दिवा कवी कसीमाश्रयातालतलवासिन ४  
 ४॥ निवतकामरुमान ४ कवे क्ममगानिक ॥ उरु वर्या गवायकु सतत निगियाग ४॥ सयीगा कयीगनिशा कथावे गवायलाहिता ४॥ दिवा कवी क  
 ओमाश्रयातालतलवासिन ४॥ निवतकियरासध कर्म कवे क्ममसदा ॥ उरु गवायलाहिता ४॥ यरम गवाय ४॥ सयीगा कयीगनिशा कथावे गवायलाहि











[illegible]

मूलतुल्यशेषः २

[illegible]











धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार H-49②



[illegible]



मोक्षमार्गः ॥ १०० म ० इव मा ॥

॥ ३५ ॥ १०० म ० इव मा ॥

॥ ३५ ॥ १०० म ० इव मा ॥

॥ ३५ ॥ १०० म ० इव मा ॥

॥ ३५ ॥ १०० म ० इव मा ॥

॥ ३५ ॥ १०० म ० इव मा ॥

॥ ३५ ॥ १०० म ० इव मा ॥

॥ ३५ ॥ १०० म ० इव मा ॥

॥ ३५ ॥ १०० म ० इव मा ॥

॥ ३५ ॥ १०० म ० इव मा ॥

॥ ३५ ॥ १०० म ० इव मा ॥

॥ ३५ ॥ १०० म ० इव मा ॥

॥ ३५ ॥ १०० म ० इव मा ॥